अनुक्रमांक..............................

नाम....................................

मुद्रित पृष्ठों की संख्या: 4

130 **323 (HP)**

2025

नागरिक शास्त्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक: 100

निर्देश :(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रश्न संख्या 1 से 10 तक बहुविकल्पी प्रश्न हैं।

(iv) प्रश्न संख्या 11 से 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनका प्रत्येक उत्तर

modelpaper.info

लगभग 10 शब्दों में देना हैं। प्रश्न संख्या 21 से 26 तक लघु उत्तरीय I प्रश्न हैं, जिनका प्रत्येक उत्तर लगभग 50 शब्दों में देना हैं। प्रश्न संख्या 27 से 30 तक लघु उत्तरीय II प्रश्न हैं, जिनका प्रत्येक उत्तर लगभग 100-125 शब्दों में देना हैं। प्रश्न संख्या 31 से 32 तक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनका प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना हैं।

(v) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिए गए हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. पेरेस्त्रोइका तथा ग्लासनोस्त नीतियों का सम्बन्ध किस देश से है? 1

(क) संयुक्त राष्ट्र अमेरिका (ख) सोवियत संघ

(ग) जर्मनी (घ) फ्रांस

modelpaper.info

2. मुक्त (खुले) द्वार नीति' का सम्बन्ध किस देश से था? 1

(क) चीन (ख) दक्षिण कोरिया

(ग) जापान (घ) अमेरिका

3. कौन-सा देश दक्षिण एशिया का अंग नहीं है? 1

(क) श्रीलंका (ख) भारत

(ग) चीन (घ) पाकिस्तान

4. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रथम एशियाई महासचिव थे- 1

(क) कोफी अन्नान (ख) यू थोट

(ग) बुतरस घाली (घ) डेग हैमरशोल्ड

modelpaper.info

5. परमाणु अप्रसार सन्धि (एन०पी०टी०) पर कब हस्ताक्षर हुए थे? 1

(क) 1963 (ख) 1995

(ग) 1966 (घ) 1968

6. भारत में अनुसूचित जनजातियों के जीवन-यापन का मुख्य साधन क्या है? 1

(क) व्यापार (ख) मजदूरी

(ग) खेती (कृषि) (घ) इनमें से कोई नहीं

7. निम्नलिखित में से कौन-सा पर्यावरण प्रदूषण का कारण है? 1

(क) जनसंख्या वृद्धि (ख) निर्वनीकरण

(ग) औद्योगीकरण (घ) इनमें से सभी

modelpaper.info

8. वैश्वीकरण के बारे में कौन-सा कथन सही है? 1

(क) वैश्वीकरण का सम्बन्ध सिर्फ वस्तुओं की आवाजाही से है।

(ख) वैश्वीकरण में मूल्यों का संघर्ष नहीं होता।

(ग) वैश्वीकरण के अंग के रूप में सेवाओं का महत्त्व गौण है।

(घ) वैश्वीकरण का सम्बन्ध विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव से है

9. निम्नलिखित में से कौन-से नेता सीमांत गांधी के नाम से प्रसिद्ध थे? 1

(क) मुहम्मद अली जिन्ना (ख) मुहम्मद इकबाल

(ग) खान अब्दुल गफ्फार खान (घ) इनमें से कोई नहीं

modelpaper.info

10. स्वतंत्र भारत में होने वाले प्रथम तीन चुनावों में किस दल का प्रभुत्व रहा? 1

(क) भारतीय जनता पार्टी (ख) समाजवादी पार्टी

(ग) बहुजन समाज पार्टी (घ) कांग्रेस

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

11. किस घटना को शीतयुद्ध के अंत का प्रतीक माना जाता है? 2

उत्तर- *1991 में सोवियत संघ का विघटन हुआ। इस घटना को शीतयुद्ध के अंत का प्रतीक माना जाता है। सोवियत संघ के तीन बड़े गणराज्य रूस, यूक्रेन और बेलारूस ने बोरिस येल्तसिन के नेतृत्व में दिसम्बर, 1991 में सोवियत संघ की समाप्ति की घोषणा की।*

modelpaper.info

12. यूरोपीय संघ के किन दो देशों के पास परमाणु हथियार है? 2

उत्तर-1. ब्रिटेन तथा 2. फ्रांस।

13. दक्षिण एशिया के दो सबसे छोटे देशों के नाम बताइए। 2

उत्तर-1. भूटान तथा 2. मालदीव।

14. वैश्विक स्तर पर फैलने वाली किन्हीं दो महामारियों के नाम लिखिए। 2

उत्तर - वैश्विक सुरक्षा के लिए चार विश्वव्यापी खतरे इस प्रकार हैं- 1. वैश्विक तापवृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग), 2. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, 3. एड्स, 4. बर्ड फ्लू

15. 'लिमिट्स टू ग्रोथ' नामक पुस्तक कब और किसने प्रकाशित की थी? 2

उत्तर- 'लिमिट्स टू ग्रोथ' नामक पुस्तक वैश्विक मामलों से सरोकार रखने वाले एक विद्वत् समूह 'क्लब ऑफ रोम' ने 1972 में प्रकाशित की थी।

modelpaper.info

16. मणिपुर की मुख्य समस्या क्या है? 2

उत्तर- मणिपुर की मुख्य समस्या भूमि है। यहाँ सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्थाएँ भूमि और इससे सम्बन्धित मुद्दों पर ही केन्द्रित हैं। विशेषकर आदिवासियों के लिए जमीन, एकमात्र महत्त्वपूर्ण भौतिक सम्पत्ति है।

17. भारतीय जनसंघ पार्टी के किन्हीं दो प्रमुख नेताओं के नाम लिखिए। 2

उत्तर-1. डॉ० श्यामाप्रसाद मुखर्जी तथा 2. बलराज मधोक।

18. भारत में नियोजन के दो उद्देश्य बताइए। 2

उत्तर- भारत में नियोजन के दो उद्देश्य इस प्रकार हैं- 1. निर्धनता और बेरोजगारी दूर करना तथा 2. कृषि एवं उद्योगों का समन्वित विकास करना।

modelpaper.info

19. गुटनिरपेक्षता से क्या अभिप्राय है? 2

उत्तर- गुटनिरपेक्षता का शाब्दिक अर्थ है- किसी भी गुट के साथ न जुड़ना। ऐतिहासिक सन्दर्भ में गुट निरपेक्षता का सिद्धान्त नये स्वतंत्र देशों के किसी भी सैनिक गुट से अलग रहने का था। विदित है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका व सोवियत संघ के नेतृत्व में सैनिक गुट बने थे जो तृतीय विश्व के देशों पर अपना-अपना प्रभाव बढ़ा रहे थे। वास्तव में, गुटनिरपेक्षता का अर्थ इससे अधिक कुछ और भी है। इसका अर्थ है कि किसी भी विषय पर योग्यता के आधार पर निर्णय लेना।

20. 1975 में आपातकाल (Emergency) की घोषणा किसने की? 2

उत्तर- देश में आपातकाल की घोषणा 25 जून, 1975 को की गई। प्रधानमंत्री ने 25 जून की रात में राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से आपातकाल लागू करने की सिफारिश की और उन्होंने तुरंत इसकी उदघोषणा कर दी।

modelpaper.info

लघु उत्तरीय प्रश्न I

21. यूरोपीय संघ की स्थापना क्यों की गई? दो कारण बताइए।

उत्तर- 1945 तक यूरोपीय देशों ने अपनी अर्थव्यवस्थाओं की बर्बादी झेलने के साथ-साथ उन मान्यताओं और व्यवस्थाओं को ध्वस्त होते भी देखा जिन पर यूरोप खड़ा हुआ था।

1945 के बाद यूरोप के देशों में मेल-मिलाप को शीतयुद्ध से भी मदद मिली। अमेरिका ने यूरोप की अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन के लिए बहुत अधिक मदद की। इसे 'मार्शल योजना' के नाम से जाना जाता है। अमेरिका ने 'नाटो' के तहत एक सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को जन्म दिया। मार्शल योजना के तहत ही 1948 में यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना की गई जिसके माध्यम से पश्चिमी यूरोप के देशों को आर्थिक मदद दी गई। यह एक ऐसा मंच बन गया जिसके माध्यम से पश्चिमी यूरोप के देशों ने व्यापार और आर्थिक मामलों में एक-दूसरे की मदद शुरू की। 1949 में

modelpaper.info

गठित यूरोपीय परिषद् राजनैतिक सहयोग के मामले में एक अगला कदम साबित हुई। यूरोप के पूँजीवादी देशों की अर्थव्यवस्था के आपसी एकीकरण की प्रक्रिया चरणबद्ध ढंग से आगे बढ़ी और इसके परिणामस्वरूप 1957 में यूरोपीयन इकोनॉमिक कम्युनिटी का गठन हुआ। यूरोपीयन पार्लियामेंट के गठन के बाद इस प्रक्रिया ने राजनीतिक स्वरूप प्राप्त कर लिया। सोवियत गुट के पतन के बाद इस प्रक्रिया में तेजी आयी और 1992 में इस प्रक्रिया की परिणति यूरोपीय संघ की स्थापना के रूप में हुई। 5

22. पाकिस्तान में लोकतंत्र की स्थायी स्थापना में बाधक कारणों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर- पाकिस्तान में स्थायी रूप से लोकतंत्र स्थापित न होने के अनेक कारण हैं। यहाँ सेना, धर्मगुरु तथा भू-स्वामी अभिजनों का सामाजिक वर्चस्व अधिक है। इसी कारण अनेक बार निर्वाचित लोकतांत्रिक सरकार को गिराकर सैनिक शासन की स्थापना की गई। भारत तथा पाकिस्तान के संबंधों में अक्सर

modelpaper.info

तनावपूर्ण स्थिति रहती है। इसी कारण यहाँ सेना-समर्थक समूह अधिक मजबूती से अपना पक्ष रख देते हैं। ये समूह अपने पक्ष में तर्क देते हैं कि पाकिस्तान के राजनीतिक दलों तथा लोकतंत्र में खोट है। राजनीतिक दलों की व्यक्तिगत स्वार्थ साधना तथा लोकतंत्र की रस्साकशी में पाकिस्तान की सुरक्षा के प्रति खतरा मंडराता रहता है। इसी प्रकार अधिकांश जनता सैनिक शासन को उचित ठहराती है। यद्यपि पाकिस्तान की सुरक्षा असुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए लोकतंत्र की प्रक्रिया यहाँ पूर्णत: सफल नहीं हो सकी।

इसके अलावा पाकिस्तान में जनतांत्रिक व्यवस्थाओं को लेकर कोई विशेष अंतर्राष्ट्रीय समर्थन नहीं मिलता। इसी कारण पाकिस्तानी सेना को अपना प्रभुत्व स्थापित करने में उत्साहवर्द्धन हुआ है

23. शीतयुद्ध के पश्चात् ऐसे दो मुख्य वैश्विक बदलावों का विश्लेषण कीजिए जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र के कार्य में सुधार लाने की आवश्यकता को जन्म दिया। 5

modelpaper.info

उत्तर- शीतयुद्ध के पश्चात् संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार

परिवर्तन सृष्टि का नियम है तथा व्यक्ति की आवश्यकता। परिवर्तित परिवेश में आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु किसी भी संगठन में सुधार एवं विकास करना आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र संघ भी इसका एक भाग ही है। अभी कुछ समय पूर्व ही वैश्विक संस्था में सुधारों ही आवश्यकताओं पर बल दिया गया था। अस्तु सुधारों की प्रकृति के विषय में कोई स्पष्ट दृष्टिकोण तथा सहमति नहीं बन पाई है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष दो प्रकार के मूल सुधारों का विषय है। प्रथम तो संगठन के प्रारूप तथा उसकी प्रक्रियाओं में सुधार की आवश्यकता है। द्वितीय संगठन के न्यायाधिकार के अन्तर्गत सभी मुद्दों की समीक्षा की जाए। लगभग सभी देश सहमत हैं कि उक्त दोनों प्रकार के सुधार आवश्यक हैं। सुधारों की प्रक्रियाएँ क्या हैं? तथा उन प्रक्रियाओं के लिए क्या करना है? देशों के मध्य सहमति का विषय यह नहीं है अपितु इस विषय पर सहमति होनी चाहिए कि सुधार

modelpaper.info

प्रक्रियाओं के सुधार के अन्तर्गत सर्वाधिक चर्चा का विषय सुरक्षा-परिषद् की कार्य प्रणाली को दृष्टिगत रखते हुए किया जा सकता है। इसी से संबंधित एक अन्य माँग स्थायी एवं अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा की जाती है जिससे विश्व की समकालीन राजनीति की वास्तविकताओं को इस संगठन में समुचित प्रकार से नेतृत्व प्राप्त हो सके। विशेषतः एशिया, अफ्रीका तथा दक्षिण अमेरिका के अधिक देशों को सुरक्षा-परिषद् में सदस्यता प्रदान करने का विषय भी उठाया जाता रहा है। इसके अतिरिक्त अमेरिका तथा पश्चिमी देशों से सम्बद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट से जुड़ी प्रक्रियाओं तथा इसके प्रशासन में सुधार की भी आवश्यकता है।

24. वैश्वीकरण में प्रौद्योगिकी का क्या योगदान है? 5

modelpaper.info

उत्तर- वैश्वीकरण पर प्रौद्योगिकी का विशेष प्रभाव पड़ा है। संचार साधनों के विकास और उनकी उपलब्धता के फलस्वरूप ही वैश्वीकरण अस्तित्व में आया। 1990 के दशक में आई प्रौद्योगिक क्रांति ने विश्व को अधिक करीब ला दिया है या छोटा कर दिया है। टेलीग्राम, टेलीफोन तथा इंटरनेट जैसे संचार के साधनों ने विश्व को जोड़ने में महत्त्वपूर्ण सहयोग दिया है। प्रौद्योगिकी के साधनों के कारण ही विश्व के विभिन्न भागों में पूँजी, वस्तुओं, विचार और लोगों की आवाजाही आसान हो गई है। प्रारम्भ में जब छपाई (मुद्रण) की तकनीक आई थी, तो उसने राष्ट्रवाद की नींव रखी थी। इसी तरह आज हम यह अपेक्षा करते हैं कि प्रौद्योगिकी का प्रभाव हमारे सोचने के तरीके पर पड़ेगा। आज हमारी सोच और सामूहिक जीवन पर भी प्रौद्योगिकी का असर देखा जा सकता है। विश्व के विभिन्न भागों के मध्य पूँजी और वस्तु की गतिशीलता, लोगों की आवाजाही की तुलना में अधिक तेज और व्यापक है। प्रौद्योगिकी के कारण विश्व के विभिन्न भागों के लोग एक-दूसरे से जुड़ गए हैं।

modelpaper.info

25. किस राजनीतिक दल ने 'एक देश, एक संस्कृति और एक राष्ट्र ' के विचार पर बल दिया?

उत्तर- भारतीय जनसंघ का गठन 1951 में हुआ था। श्यामाप्रसाद मुखर्जी इसके संस्थापक-अध्यक्ष थे। इस दल की जड़ें आजादी के पहले के समय से सक्रिय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और हिन्दू महासभा में खोजी जा सकती हैं।

जनसंघ अपनी विचारधारा और कार्यक्रमों के लिहाज से बाकी दलों से भिन्न है। जनसंघ ने 'एक देश, एक संस्कृति और एक राष्ट्र' के विचार पर जोर दिया। इसका मानना था कि देश भारतीय संस्कृति और परंपरा के आधार पर आधुनिक, प्रगतिशील और ताकतवर बन सकता है। जनसंघ ने भारत और पाकिस्तान को एक करके 'अखंड भारत' बनाने की बात कही। अंग्रेजी को हटाकर हिन्दी को राजभाषा बनाने के आंदोलन में यह पार्टी सबसे आगे थी। इसने धार्मिक और सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों को

modelpaper.info

रियायत देने की बात का विरोध किया। चीन ने 1964 में अपना आण्विक परीक्षण किया था। इसके बाद से जनसंघ ने लगातार इस बात की पैरोकारी की कि भारत भी अपने आण्विक हथियार तैयार करे। 1950 के दशक में जनसंघ चुनावी राजनीति के हाशिए पर रहा। इस पार्टी को 1952 के चुनाव में लोकसभा की तीन सीटों पर सफलता मिली और 1957 के आम चुनावों में इसने लोकसभा की 4 सीटें जीतीं। शुरुआती सालों में इस पार्टी को हिन्दी-भाषी राज्यों मसलन राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के शहरी इलाकों में समर्थन मिला। जनसंघ के नेताओं में श्यामाप्रसाद मुखर्जी, प० दीनदयाल उपाध्याय और बलराज मधोक के नाम शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी की जड़ें इसी जनसंघ में हैं।

26. भार्तीय संविधान के अनुच्छेद-51 में वर्णित राज्य के नीति-निदेशक तत्त्वों में से किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। 5

modelpaper.info

उत्तर- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 में 'अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के बढ़ावे' के लिए राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत के हवाले से कहा गया है कि राज्य –

1. अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का,
2. राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने का,
3. संगठित लोगों के एक-दूसरे से व्यवहारों में अंतर्राष्ट्रीय विधि और संधि-बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाने का,
4. अंतर्राष्ट्रीय विवादों को मध्यस्थता द्वारा निपटारे के लिए प्रोत्साहन देने का, प्रयास करेगा।

लघु उत्तरीय प्रश्न II

27. दक्षिण एशिया में द्विपक्षीय संबंधों का विश्व राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ा है? 6

modelpaper.info

उत्तर- दक्षिण एशिया शुरू से ही अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का केंद्र-बिंदु रहा है। नेपाल को छोड़कर संपूर्ण दक्षिण एशिया अंग्रेजों के प्रत्यक्ष नियंत्रण में रहा है। दक्षिण एशिया के देशों की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक समस्याएँ करीब-करीब एक जैसी हैं। कुछ लोग भारत को दक्षिण एशिया की प्रधान शक्ति मानते हैं। ब्रिटेन, चीन और सोवियत संघ का इस क्षेत्र में पारस्परिक भू-सामाजिक हित रहा है। महाशक्तियों का निरंतर इस क्षेत्र में आपसी प्रतिस्पर्धा और राजनीतिक मतभेदों को उलझाने में महत्त्वपूर्ण सहयोग रहा है। सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् अमेरिका दक्षिण एशिया में मुख्य भूमिका निभा रहा है। अमेरिका ने हिंद महासागर में अपना सैनिक अड्डा स्थापित करके इन देशों में अपना हस्तक्षेप बढ़ाया है। अमेरिका के साथ ही दक्षिण एशिया में चीनी हित अधिक महत्त्व रखते हैं। चीन की सीमाएँ भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान और म्यांमार से मिलती हैं। चीन भी पाकिस्तान से महत्त्वपूर्ण संबंध बनाए हुए है। आधुनिक समय में हॉलैंड, पुर्तगाल, ब्रिटेन, फ्रांस, डच राज्यों के उपनिवेश नहीं हैं बल्कि चीनी-

modelpaper.info

अमेरिकी शक्तियों का प्रभाव दक्षिणी एशियाई देशों में देखा जा सकता हैं। चीन की इस क्षेत्र में उपस्थिति शक्ति संतुलन की दिशा में महत्त्वपूर्ण है।

28. स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद प्रारंभिक वर्षों के दौरान कांग्रेस दल के प्रभुत्व की प्रकृति की व्याख्या कीजिए। 6

उत्तर- एक पार्टी के प्रभुत्व के दौर से गुजरने वाला भारत ही एकमात्र देश नहीं है। दुनिया में एक प्रार्टी के प्रभुत्व के बहुत-से उदाहरण देखने को मिलते हैं। बहरहाल, बाकी देशों में एक पार्टी के प्रभुत्व और भारत में एक पार्टी के प्रभुत्व के बीच एक बड़ा भारी अंतर है। बाकी देशों में एक पार्टी का प्रभुत्व लोकतंत्र की कीमत पर कायम हुआ। कुछ देशों; जैसे- चीन, क्यूबा और सीरिया के संविधान में सिर्फ एक ही पार्टी को देश के शासन की अनुमति दी गई है। कुछ और देशों; जैसे-

modelpaper.info

म्यांमार, बेलारूस और इरीट्रिया में एक पार्टी का प्रभुत्व कानूनी और सैन्य उपायों के कारण स्थापित हुआ है। अब से कुछ साल पहले तक मैक्सिको, दक्षिण कोरिया और ताइवान भी एक पार्टी के प्रभुत्व वाले देश थे। भारत में कायम एक पार्टी का प्रभुत्व इन उदाहरणों से कहीं अलग है। यहाँ एक पार्टी का प्रभुत्व लोकतांत्रिक स्थितियों में कायम हुआ। अनेक पार्टियों ने मुक्त और निष्पक्ष चुनाव के माहौल में एक-दूसरे से होड़ की और तब भी कांग्रेस पार्टी एक के बाद एक चुनाव जीतती गई। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की समाप्ति के बाद अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस का भी कुछ ऐसा ही दबदबा कायम हुआ है। भारत का उदाहरण बहुत कुछ दक्षिण अफ्रीका से मिलता-जुलता है। कांग्रेस पार्टी की इस असाधारण सफलता की जड़ें स्वाधीनता संग्राम की विरासत में है। कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रीय आंदोलन के वारिस के रूप में देखा गया। आजादी के आंदोलन में अग्रणी रहे अनेक नेता अब कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कांग्रेस पहले से ही एक

modelpaper.info

सुसंगठित पार्टी थी। बाकी दल अभी अपनी रणनीति सोच ही रहे होते थे कि कांग्रेस अपना अभियान शुरू कर देती थी। दरअसल, अनेक पार्टियों का गठन स्वतंत्रता के समय के आस-पास अथवा उसके बाद में हुआ। कांग्रेस को 'अव्वल और एकलौता' होने का फायदा मिला। आजादी के समय तक यह पार्टी देश में चारों ओर अपनी जड़ें जमा चुकी थी। साथ ही, इस पार्टी के संगठन का नेटवर्क स्थानीय स्तर तक पहुँच चुका था। सबसे बड़ी बात यह थी कि कांग्रेस हाल-फिलहाल तक आजादी के आंदोलन की अगुआ रही थी और उसकी प्रकृति सबको समेटकर मेल-जोल के साथ चलने की थी।

29. भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का मुख्य कारण क्या है? 6

उत्तर -भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद के प्रमुख कारण या मुद्दे निम्नलिखित हैं-

modelpaper.info

1. कश्मीर मुद्दा भारत के विभाजन के बाद कश्मीर देशी रियासत का भारत में विलय हो गया, परन्तु पाकिस्तान के द्वारा इसे स्वीकार नहीं किया गया तथा सामरिक और सैन्य दृष्टिकोण से कश्मीर के महत्त्व को देखते हुए पाकिस्तान इसे अपना भाग बनाने का प्रयास करता रहा, जबकि भारत शुरू से ही कश्मीर को अपना अभिन्न अंग मानता आया है। इस संदर्भ में 1994 में भारतीय संसद के द्वारा प्रस्ताव भी लाया गया जिसमें स्पष्ट उल्लिखित है कि पाक अधिकृत कश्मीर भारतीय कश्मीर का भाग है।

2. सिंधु नदी जल विवाद मुद्दा 1960 में सिंधु नदी समझौते के अंतर्गत सिंधु, झेलम और चिनाब को पाकिस्तान की नदियों के रूप में जबकि सतलुज, रावी एवं व्यास पर भारत के नियंत्रण को स्वीकार किया गया। इस समझौते के द्वारा भारत को पाकिस्तान की नदियों पर जल के सीमित प्रयोग का अधिकार दिया गया। पाकिस्तान के द्वारा यह आरोप लगाया जाता है कि भारत, उसके हिस्से के पानी का प्रयोग कर रहा है। वहीं भारत के अनुसार ग्लेशियर कम होने से और बरसात कम होने के कारण सिंधु

modelpaper.info

नदी में पानी का प्रवाह कम हो रहा है तथा सिंधु नदी के पानी का मुद्दा उठाकर पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद से ध्यान भटकाना चाहता है।

3. सियाचिन विवाद सियाचिन, पाकिस्तान नियंत्रित गिलगित और बालटिस्तान के समान अत्यधिक ऊँचाई पर होने के साथ ही कराकरोम दर्रे के निकट है जो भारत के जम्मू व कश्मीर को तिब्बत या चीन से जोड़ता है, इसलिए यह भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए सामरिक महत्त्व रखता है। पाकिस्तान द्वारा 1984 में इस पर नियंत्रण करने का प्रयत्न किया गया, जिसके जवाब में भारत के द्वारा 'ऑपरेशन मेघदूत' प्रारम्भ किया गया और उसके बाद से यह क्षेत्र भारत के कब्जे में है।

4. आतंकवाद मुद्दा पाकिस्तान द्वारा कश्मीर में आतंकवाद, अलगाववादी व उग्रवादी संगठनों को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत के विरूद्ध छद्म युद्ध भी चलाया जा रहा है। पाकिस्तान उन आतंकी

modelpaper.info

संगठनों (जैसे-लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मुहम्मद) को प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है जो कश्मीर के साथ-साथ भारत के विरूद्ध हिंसात्मक घटनाओं में शामिल होते हैं।

5. सरक्रीक विवाद सरक्रीक भारत के कच्छ और पाकिस्तान के सिंध प्रांत की विभाजक रेखा है जिसके निकट कराची पत्तन स्थित है। पाकिस्तान का तर्क है कि कच्छ के क्षेत्र में स्थित सरक्रीक का विभाजन 24° समानांतर होना चाहिए, जबकि भारत इस तर्क को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है और भारत के अनुसार मिड चैनल के आधार पर रेखा का विभाजन होना चाहिए।

6. चीन-पाक आर्थिक गलियारा यह आर्थिक कॉरिडोर चीन के जिगजियांग क्षेत्र के काश्गर क्षेत्र को पाकिस्तान के बलूचिस्तान राज्य में स्थित ग्वादर पत्तन से जोड़ता है। यह कॉरिडोर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजर रहा है और वैधानिक रूप से भारत का भाग है, जो भारतीय सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती है।

modelpaper.info

30. पूर्वी भारत में चलाए गए अधिकांश आंदोलन सांस्कृतिक अभियान और आर्थिक पिछड़ेपन की मिली-जुली अभिव्यक्ति है। समीक्षा कीजिए। 6

उत्तर- सन् 1979 से 1985 तक चला असम आंदोलन बाहरी लोगों के खिलाफ चले आंदोलन का सबसे अच्छा उदाहरण है। असमी लोगों को बांग्लादेश से आकर बहुत-सी मुस्लिम आबादी के असम में बसे होने का संदेह था। लोगों के मन में यह भावना घर कर गई थी कि इन विदेशी लोगों को पहचानकर उन्हें अपने देश नहीं भेजा गया तो स्थानीय असमी जनता अल्पसंख्यक हो जाएगी। इसके अलावा कुछ आर्थिक मसले भी थे। असम में तेल, चाय और कोयले जैसे प्राकृतिक संसाधानों की मौजूदगी के बावजूद व्यापक गरीबी थी। यहाँ की जनता ने माना कि असम के प्राकृतिक संसाधन बाहर भेजे जा रहे हैं उन्हें असमी लोगों को कोई फायदा नहीं हो रहा है।

modelpaper.info

वर्ष 1979 में एक छात्र संगठन ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू-AASU) विदेशियों के विरोध में एक आंदोलन शुरू किया। इस संगठन का जुड़ाव किसी भी राजनीतिक दल से नहीं था। 'आसू' का आंदोलन अवैध आप्रवासी, बंगाली और अन्य लोगों के दबदबे तथा मतदाता सूची में लाखों आप्रवासियों के नाम दर्ज कर लेने के खिलाफ था। इस संगठन ने 1951 के बाद जितने भी लोग असम में आकर बसे हैं उन्हें असम से बाहर भेजे जाने की माँग की। इस आंदोलन ने कई नए तरीकों को आजमाया और असमी जनता के हर तबके का समर्थन हासिल किया। इस आंदोलन को पूरे असम में समर्थन मिला। आंदोलन के दौरान हिंसक और त्रासद घटनाएँ भी हुईं। बहुत से लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी और धन-संपत्ति का नुकसान हुआ। आंदोलन के दौरान रेलगाड़ियों की आवाजाही तथा बिहार स्थित बरौनी तेलशोधक कारखाने को तेल-आपूर्ति रोकने की भी कोशिश की गई।

modelpaper.info

छः साल की सतत् अस्थिरता के बाद राजीव गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने 'आसू' के नेताओं से बातचीत शुरू की। इसके परिणामस्वरूप 1885 में एक समझौता हुआ। समझौते के अंतर्गत तय किया गया कि जो लोग बांग्लादेश-युद्ध के दौरान अथवा उसके बाद के सालों में असम आए हैं, उनकी पहचान की जाएगी और उन्हें वापस भेजा जाएगा। आंदोलन की कामयाबी के बाद 'आसू' और असम गण संग्राम परिषद् ने साथ मिलकर अपने को एक क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी के रूप में संगठित किया। इस पार्टी का नाम 'असम गण परिषद्' रखा गया। असम गण परिषद् 1985 में इस वायदे के साथ सत्ता में आई थी कि विदेशी लोगों की समस्या को सुलझा लिया जाएगा और एक 'स्वर्णिम असम' का निर्माण किया जाएगा।

राज्य में असम-समझौते से शांति कायम हुई और उसकी राजनीति का चेहरा भी बदला लेकिन 'आप्रवास' की समस्या का समाधान नहीं हो पाया। 'बाहरी' का मेसला अब भी असम और पूर्वोत्तर के

modelpaper.info

अन्य राज्यों की राजनीति में एक जीवंत मसला है। यह समस्या त्रिपुरा में ज्यादा गंभीर है क्योंकि यहाँ के मूल निवासी खुद अपने ही राज्य में अल्पसंख्यक बन गए हैं। मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश के लोगों में भी इसी भय के कारण चकमा शरणार्थियों को लेकर गुस्सा है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

31. सोवियत प्रणाली की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 8

अथवा भारत एवं चीन के बीच आपसी संबंधों के प्रमुख विवादों की पहचान करें?

32. स्वतंत्रता के पश्चात भारत की प्रमुख चुनौतियों के समाधान के लिए क्या उपाय किए गए? 8

अथवा स्वतंत्रता के पश्चात भारत की प्रमुख चुनौतियों के समाधान के लिए

modelpaper.info

क्या उपाय किए गए?

modelpaper.info